an>

Title: Need to set up adequate number of Veterinary hospitals and ensure availability of doctors and medicines in existing Veterinary hospitals in the rural areas of the country particularly in Sambhal Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh.

श्री सत्यपाल सिंह (सम्भल) ः मैं सरकार का ध्यान अति महत्वपूर्ण विषय देश में पशु चिकित्सालयों की कमी व चिकित्सालयों में डॉक्टरों की भारी कमी और पशुओं की दवाईओं की अनुपलब्धता के कारण पशुओं की मृत्यु और उससे चौपट होते किसानों की जिंदगी की ओर आकृष्ट करना चाहता हॅू। जैसा कि हम जानते हैं कि भारत एक कृषि प्रधान देश है और भारतीय किसान कृषि कार्य हेतु पशुधन पर निर्भर होते हैं। गांव में पशुओं के ईलाज के लिए पशु चिकित्सालयों की कमी है और जहां कहीं दूर-दराज में पशु चिकित्सालय हैं भी तो वहां डॉक्टर नहीं है। नतीजतन कम्पाउण्डरों द्वारा पशुओं का ईलाज होता है और उससे भी ज्यादा परेशानी पशुओं की दवाई दूर-दूर तक उपलब्ध न होना है। ऐसे में ग्रामीणों/किसानों द्वारा अपने पशुओं को दूर के इलाकों में ईलाज के लिए ले जाना पड़ता है और दवाई के लिए भी दूर-दूर तक जाना पड़ता है। जिसके कारण किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कभी-कभी तो जल्दी ईलाज नहीं होने के कारण पशुओं की मृत्यु तक हो जाती है और किसान को बहुत बड़ा नुकसान होता है। किसान पशु धन के नुकसान से उबर नहीं पाता है और उसके परिवार के जीवन-यापन में भी धर्म संकट खड़ा हो जाता है। वैसे कृषि कार्य एक घाटे का सौदा है फिर भी पशुओं का पालन (दुधारू या कृषि कार्य हेतु) किसानों के जीवन का एक हिस्सा है। मेरा लोक सभा क्षेत्र संभल (उ.प्र.) भी ग्रामीण क्षेत्र है जिसमें किसानों को उक्त समस्याओं से आये दिन जूझना पड़ता है।

मैं सरकार से प्रार्थना करता हूं कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में पशु चिकित्सालय और उसमें डॉक्टर व सहायक डॉक्टर और दवाई की उपलब्धता को सुनिश्चित किया जाये और सरकार को सुझाव है कि अगर चिकित्सकों की कमी हो तो गांव में जो पशुओं के वैद्य होते हैं, जो देशी ईलाज करते हैं, उनको प्रशिक्षित कर उन्हें नियुक्त किया जाये जिससे कि किसानों को भविष्य में ऐसी उक्त स्थिति का सामना न करना पड़े और उनके पशुओं को बीमार होने पर उनका तुरंत ईलाज कर उनको बचाया जा सके।